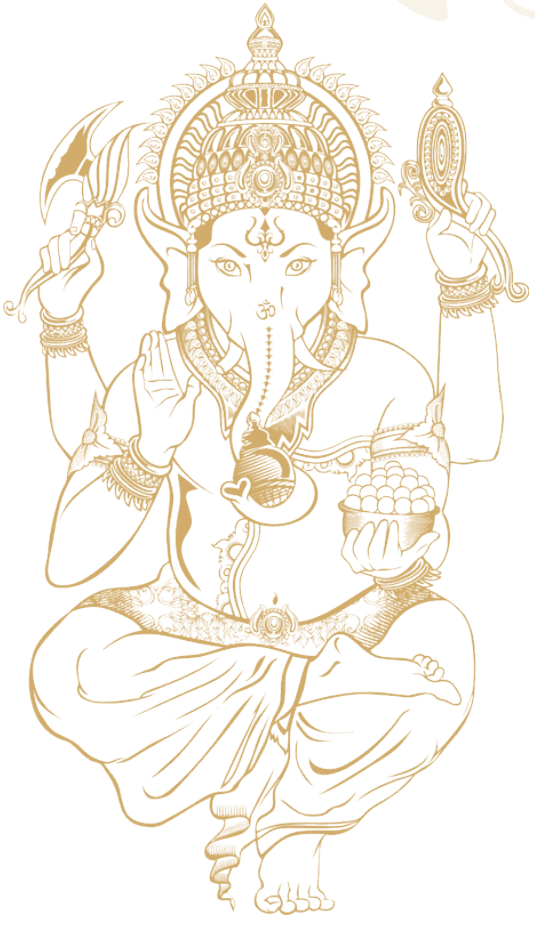

Pallavi Kumari

04 May 2029

11:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120929402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/05/2029**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	14:28:09 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:12 घंटे
साम्पातिक काल	01:59:34 घंटे
सूर्योदय	05:12:44 घंटे
सूर्यास्त	18:21:13 घंटे
दिनमान	13:08:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:46:29 मेष
लग्न के अंश	12:12:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:12:36	313:21:38	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	---
सूर्य			मेष	19:46:29	00:58:09	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मक	05:59:37	12:52:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल	व		कन्या	00:40:23	00:01:11	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
बुध	व		वृष	02:10:49	00:11:29	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		कन्या	25:35:29	00:06:28	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	00:26:06	01:13:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि		अ	मेष	20:10:32	00:07:43	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु			धनु	11:48:38	00:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	11:48:38	00:01:07	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	नीच राशि
हर्ष			वृष	18:15:46	00:03:12	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	---
नेप			मीन	15:36:06	00:01:57	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
प्लूटो			मक	16:10:13	00:00:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			मेष	07:47:59	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:16:17

लग्न-चलित

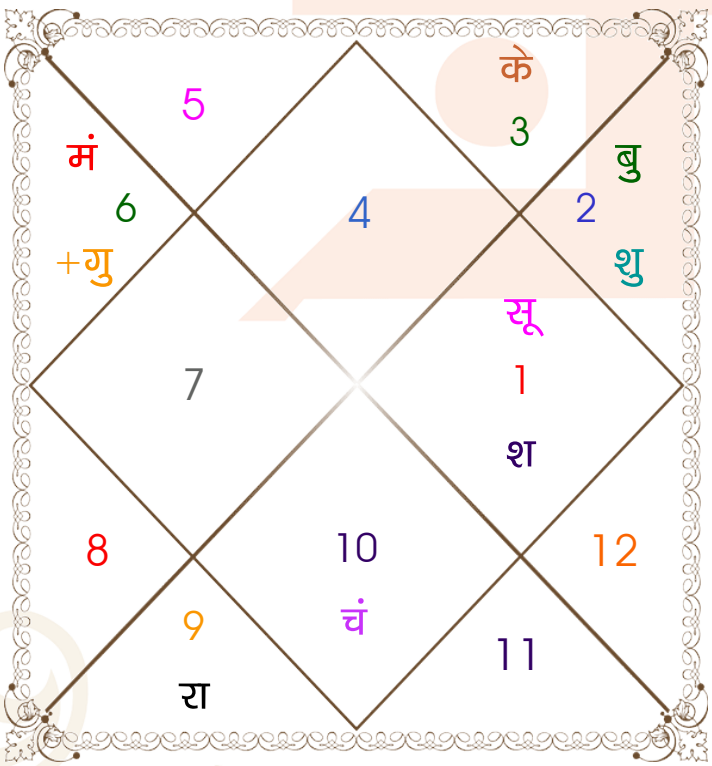

चन्द्र कुंडली

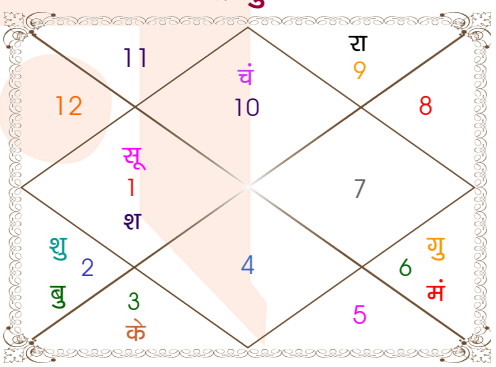

नवमांश कुंडली

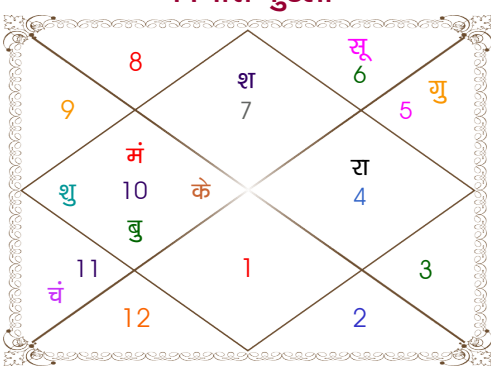

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 9 मास 19 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/05/2029		21/02/2031		21/02/2041		22/02/2048		21/02/2066	
21/02/2031		21/02/2041		22/02/2048		21/02/2066		21/02/2082	
	00/00/0000	चंद्र	23/12/2031	मंगल	20/07/2041	राहु	04/11/2050	गुरु	10/04/2068
	00/00/0000	मंगल	23/07/2032	राहु	08/08/2042	गुरु	30/03/2053	शनि	23/10/2070
	00/00/0000	राहु	22/01/2034	गुरु	15/07/2043	शनि	03/02/2056	बुध	28/01/2073
	00/00/0000	गुरु	24/05/2035	शनि	22/08/2044	बुध	23/08/2058	केतु	04/01/2074
	00/00/0000	शनि	22/12/2036	बुध	20/08/2045	केतु	10/09/2059	शुक्र	04/09/2076
	04/05/2029	बुध	24/05/2038	केतु	16/01/2046	शुक्र	10/09/2062	सूर्य	23/06/2077
बुध	16/10/2029	केतु	23/12/2038	शुक्र	18/03/2047	सूर्य	05/08/2063	चंद्र	23/10/2078
केतु	21/02/2030	शुक्र	22/08/2040	सूर्य	24/07/2047	चंद्र	03/02/2065	मंगल	29/09/2079
शुक्र	21/02/2031	सूर्य	21/02/2041	चंद्र	22/02/2048	मंगल	21/02/2066	राहु	21/02/2082

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/02/2082		22/02/2101		22/02/2118		22/02/2125		22/02/2145	
22/02/2101		22/02/2118		22/02/2125		22/02/2145		00/00/0000	
शनि	24/02/2085	बुध	22/07/2103	केतु	21/07/2118	शुक्र	23/06/2128	सूर्य	12/06/2145
बुध	04/11/2087	केतु	18/07/2104	शुक्र	20/09/2119	सूर्य	24/06/2129	चंद्र	11/12/2145
केतु	13/12/2088	शुक्र	19/05/2107	सूर्य	26/01/2120	चंद्र	22/02/2131	मंगल	18/04/2146
शुक्र	13/02/2092	सूर्य	24/03/2108	चंद्र	26/08/2120	मंगल	24/04/2132	राहु	13/03/2147
सूर्य	25/01/2093	चंद्र	24/08/2109	मंगल	23/01/2121	राहु	24/04/2135	गुरु	30/12/2147
चंद्र	26/08/2094	मंगल	21/08/2110	राहु	10/02/2122	गुरु	23/12/2137	शनि	11/12/2148
मंगल	05/10/2095	राहु	09/03/2113	गुरु	17/01/2123	शनि	22/02/2141	बुध	05/05/2149
राहु	11/08/2098	गुरु	15/06/2115	शनि	26/02/2124	बुध	24/12/2143		00/00/0000
गुरु	22/02/2101	शनि	22/02/2118	बुध	22/02/2125	केतु	22/02/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 9 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार की होंगी। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगी। आप अपने सम्पर्क की बहु संख्यक महिलाओं के मध्य प्रसिद्ध होंगी। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगी तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगी।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहती हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगी। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकती हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकती हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकती है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड़ जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपके पति एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपके पति के साथ अपराध उजागर कर सकती है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करती हैं तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकती हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार की स्त्री है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकती हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगीं क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहती हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनाना चाहेंगी। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आप अपनी इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहती हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगी।

कर्क राशि विद्यामान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है।